जीवन–वृत्त

डॉ. कौस्तुभ मणि द्विवेदी

1. **जन्म तिथि** – 05 .10 .1977

2. **निवास** – म. न. 47/431, आमापारा चौक रायपुर
छत्तीसगढ़ पिन–492001, फो. 8120311942
email id- kaustubhmani05@gmail.com

3ण शैक्षणिक योग्यता

1. एम. ए. (हिंदी साहित्य) : 2001, प्रथम श्रेणी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर
2. डिप्लोमा इन इंगलिश : 2002, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर
3. **पी–एच.डी.(हिंदी साहित्य)** : 2008, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर
शोध–विषय :– ***(छायावादोत्तर प्रमुख आख्यानक काव्य कृतियों में मिथक)***
4. एम. ए. (भाषाविज्ञान) : 2013, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, गोल्ड मेडल
5. पी. जी. डी. सी. ए. : 2014, प्रथम स्थान

4. अध्यापन–अनुभव : 1. पी–एच. डी. करते हुए 1 वर्ष का अनुभव
2. सहायक–प्राध्यापक– 6 वर्ष से साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में
3 इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय में सहायक समन्यवयक के रूप में
4 इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय में काउंसलर के रूप में

5. पुस्तक प्रकाशन : 1 ''सुघड़ छत्तीसगढ़ी भाषा'' (अध्याय 12) **(ISBN)**
2 ''सुघड़ छत्तीसगढ़ी साहित्य'' (ISBN)

5. शोध–निर्देशन

लघुशोध–प्रबंध–04

1. 'भावना और संस्कार' में मानवीय मूल्य (लक्ष्मीनारायण लाल): पुष्पा मिंज, 2011
2. चक्रव्यूह' में पौराणिक कथा की नई अभिव्यंजना (लक्ष्मीनारायण लाल): आशिका बोरकर 2011
3. 'महाविद्यालय' में लघु कहानियों का साहित्यिक अनुशीलन(विनोद–कुमार शुक्ल): दुरपत कुर्रे2012
4. खिलेगा तो देखेंगें में सामाजिक परिदृश्य (विनोद–कुमार शुक्ल): बविता यादव, 2012
5. 'ज्योतिपुरूष'(रामेश्वर शुक्ल 'अंचल') में कबीर का चरित्र : प्रीति शर्मा, 2013
6. 'विनय–पत्रिका' में दास्य भक्ति : अरूणा तिवारी, 2013

6. संगोष्ठी

1. **राष्ट्रीय भावात्मक एकता में देवनागरी लिपि का योगदान,1994**

2. स्त्री लेखन : समझ और सार्थकता, 2002
3. राष्ट्रीय भावात्मक एकता में देवनागरी लिपि का योगदान, 2002
4. स्त्री अस्मिता का संघर्ष और आधुनिक हिंदी साहित्य, 2011
5. भारतीय संस्कृति एवं परम्परा, 2011
6. राष्ट्रभाषा के संवर्धन में नागरी लिपि का योगदान,2011
7. भारतीय संस्कृति एवं परम्परा 2011
8. कामकाजी महिला की स्थिति 2011
9. लोक साहित्य की प्रासंगिकता,2012
10. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया : भाषा, सभ्यता और साहित्य का बदलता स्वरूप 2011, *(संगोष्ठी का पूरा आलेख प्रकाशित)*
11. भारतीय भाषाओं की सम्पर्क लिपि : देवनागरी
12. छत्तीसगढ़ी व भोजपुरी का तुलनात्मक अध्ययन, 2012
13. महिला अपराध : सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक परिदृष्य, 2012
14. लोक साहित्य परिचय 2012 *(संगोष्ठी का पूरा आलेख प्रकाशित)*
15. जनजातीय समाज एवं लोक साहित्य–छत्तीसगढ़ के संदर्भ में 2013
16. नई शताब्दी में महिला की भूमिका : राष्ट्रीय विकास में 2013
17. शिक्षा और भाषा का सम्बन्ध :
18. शिक्षा का अधिकार में 2013
19. राजभाषा वर्तमान स्थिति एवं संभाएनाएँ (**drdo**) 2013, *(संगोष्ठी का पूरा आलेख प्रकाशित)*
20. केंद्रीय हिंदी निदेशालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) द्वारा आयोजित– हिंदी और लोक भाषाएँ (संबंध एवं संपर्क), 2016

7. अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

1. वैदिक विज्ञान एवं उसके विभिन्न संदर्भ 2010
2. राजभाषा वर्तमान स्थिति एवं संभाएनाएँ (**drdo**) 2013
3. छत्तीसगढ़ी का अतीत एवं भविष्य : विकास की संभावनाएँ 2013
4. द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय विश्व भाषा हिंदी दिवस सम्मेलन, तमिलनाडु हिंदी साहित्य अकादमी पश्चिम बंगाल चेन्नै, 10 से 12 जनवरी 2014,

8. निबन्ध प्रतियोगिता

1 नागरी लिपि परिषद्, वरिष्ट् वर्ग, 2008
2 अखिल भारतीय निबन्ध प्रतियोगिता : नागरी लिपि 2010

9. कार्यशाला

1. काव्य–शिक्षा,2001
2. अंग्रेजी भाषा–शिक्षण विधि, 2012
3. छत्तीसगढ़ी का मानकीकरण 2013

10. प्रकाशित शोध–पत्र सारांश –

1. स्त्री अस्मिता का संघर्ष और आधुनिक हिंदी साहित्य 2010
2. छत्तीसगढ़ी व भोजपुरी का तुलनात्मक अध्ययन, 2011
3. इलेक्ट्रानिक मीडिया : भाषा, सभ्यता और साहित्य का बदलता स्वरूप 2011
4. 21 सदी में महिला विमर्श 2013
5. जनजातीय समाज एवं लोक साहित्य–छत्तीसगढ़ के संदर्भ में 2013
6. राजभाषा वर्तमान स्थिति एवं संभाएनाएँ (**drdo**) 2013

11. पत्रिका

1. वैदिक स्वर – वेदों में नारी स्वरूप, 2003
2. छत्तीसगढ़ टुड़े– ''छत्तीसगढ़ी के लोक संस्कृति'', 2005
3. वाहक–वार्ता (**ISSN**) – ''चैतन्य सम्प्रदाय में भक्ति आंदोलन'' 2013
4. भाषा (**ISBN**) – ''राजभाषा वर्तमान स्थिति एवं संभाएनाएँ'' (**drdo**) 2013
5. तमिलनाडु साहित्य बुलेटिन (नए विचारों की त्रैमासिक शोध पत्रिका) – ''संशय की रात में मिथक'', 2013
6. विश्वविद्यालय जर्नल (**ISSN**)– ''डॉ. राजेन्द मिश्र : बहुमुखी प्रतिभा के धनी'', पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर कला संकाय शोध पत्रिका 2014
7. राष्ट्रसेतु (**ISSN**) – ''छत्तीसगढ़ी का अतीत और भविष्य : विकास की संभावनाएँ''
8. **Research Link –(ISSN)-Impact Factor-2.782,** ग्रामीण विकास में संचार माध्यम एवं सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका, 2016
9. छत्तीसगढ़ संवाद प्रवाह – जीवन समृद्धि का प्रतीक बसंत पंचमी
10. सगुन चिरईया (छत्तीसगढ़ी छैः माही पत्रिका) – भाषा के संरक्षण आज के जरूरत, 2017

12 दैनिक समाचार पत्र – पत्रिका में 'छत्तीसगढ़ म धर्मदास के भक्ति परंपरा'

13. आजीवन सदस्यता

भारतीय ज्ञानपीठ
नागरी लिपि परिषद
घासीदास संग्रहालय ग्रंथागार

14. सदस्यता – **भाषा** (पत्रिका)
सम्मेलन (पत्रिका)
आगमन सोची (पत्रिका)

भवदीय,

(डॉ. कौस्तुभ–मणि द्विवेदी)
सहायक प्राध्यापक
साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला,
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर
छत्तीसगढ़, पिन–492001